राष्ट्रीय स्वरूप
14/04/2024

चालीस छात्रों की टीम एक साथ औद्योगिक भ्रमण करने के लिए रवाना

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि व्यवसाय प्रबंधन विभाग के 40 छात्रों का दल औद्योगिक भ्रमण करने हेतु अमूल डेयरी प्लांट माती कानपुर देहात के लिए विभाग के विभागध्यक्ष डा0 सी. एल. मौर्य ने झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान विभाग के समन्वयक डा. अंशु सिंह,डा. नीतू, डा. सौरभ सोनकर उपस्तिथि रहे।डा. अंशू ने बताया कि कृषि व्यवसाय प्रबंधन के छात्रों ने औद्योगिक भ्रमण से अमूल के उत्पादों की विभिन्न श्रृंखलाओं जैसे दूध संग्रह, पाश्चुरीकरण और पैकेजिंग की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। छात्रों ने यह जानकारी हासिल की कि अमूल क्षेत्र के किसानों से किस प्रकार से दूध एकत्र कर दुनिया की सबसे बड़ी दूध सहकारी समिति बना। दूध प्रसंस्करण और अत्याधुनिक पैकेजिंग के लिए मशीनीकृत प्रणालियाँ जो स्वच्छता और गुणवत्ता सुनिश्चित करती है । छात्रों ने यह भी जाना कि अमूल अपनी मशीनरी के साथ दूध पाउडर कैसे बनाता है और इसके अलावा बटर मिल्क और उनके पैकेजों का उत्पादन कैसे करता है व सप्लाई चैन, मार्केटिंग, ब्रांडिंग, प्रमोशन के बारे में जानकारी प्राप्त की। छात्र-छात्राओं को पनीर बनाने में शामिल प्रक्रियाओं का निरीक्षण

करने का अवसर मिला, और साथ ही, आइसक्रीम फैक्ट्री का दौरा किया जहां उन्होंने सीखा कि -40 ष्ट पर बर्फ कैसे बनती है और -18 ष्ट पर बर्फ कैसे जमा होती है।छात्र-छात्राओं ने बताया कि आनंद में अमूल फैक्ट्री की उनकी यात्रा वास्तव में ज्ञानवर्धक रही। उन्होंने डेयरी और चॉकलेट उत्पादन प्रक्रियाओं की गहरी समझ हासिल की और गुणवत्ता और स्वच्छता के प्रति अमूल की प्रतिबद्धता से प्रभावित हुए। इस यात्रा ने ग्रामीण विकास में सहकारी समितियों के महत्व और क्षेत्र के लाखों किसानों के जीवन को बदलने में अमूल की सफलता पर प्रकाश डाला। डॉ सी एल मौर्य ने अमूल टीम को उनके गर्मजोशी भरे आतिथ्य और साथ अपना ज्ञान और विशेषज्ञता साझा करने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस औद्योगिक यात्रा ने निस्संदेह छात्र-छात्राओं की समझ को व्यापक बनाया है। डॉ सी एल मौर्य अधिष्ठाता कृषि संकाय ने डॉक्टर अंशु सिंह, डॉक्टर नीतू एवं डॉक्टर सौरव द्वारा छात्र-छात्राओं के ज्ञानवर्धक एवं केरियर विकास हेतु किए गए प्रयासों की सराहना की।

अमर भारती
एक उम्मीद
प्रकरण
य: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com रविवार, 14 अप्रैल 2024 शक सम्व

छात्रों के दल ने अमूल डेयरी का किया भ्रमण

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्व विद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि व्यवसाय प्रबंधन विभाग के 40 छात्रों का दल औद्योगिक भ्रमण करने हेतु अमूल डेयरी प्लांट माती कानपुर देहात के लिए विभाग के विभागध्यक्ष डा0 सी. एल. मौर्य ने झंडी दिखाकर रवाना किया । कार्यक्रम के दौरान विभाग के समन्वयक डा. अंशू सिंह,डा. नीतू, डा. सौरभ सोनकर उपस्तिथि रहे।डा. अंशू ने बताया कि कृषि व्यवसाय प्रबंधन के छात्रों ने औद्योगिक भ्रमण से अमूल के उत्पादों की विभिन्न श्रृंखलाओं जैसे दूध संग्रह, पाश्चुरीकरण और पैकेजिंग की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। छात्रों ने यह जानकारी हासिल की कि अमूल क्षेत्र के किसानों से किस प्रकार से दूध एकत्र कर दुनिया की सबसे बड़ी दूध सहकारी समिति बना। दूध प्रसंस्करण और अत्याधुनिक पैकेजिंग के लिए मशीनीकृत प्रणालियाँ जो स्वच्छता और गुणवत्ता सुनिश्चित करती है । छात्रों ने यह भी जाना कि अमूल अपनी मशीनरी के साथ दूध पाउडर कैसे बनाता है और इसके अलावा बटर मिल्क और उनके पैकेजों का उत्पादन कैसे करता है व सप्लाई चैन, मार्केटिंग, ब्रांडिंग, प्रमोशन के बारे में जानकारी प्राप्त की। छात्र-छात्राओं को पनीर बनाने में शामिल प्रक्रियाओं का निरीक्षण करने का अवसर मिला, और साथ ही, आइसक्रीम फैक्ट्री का दौरा किया जहां उन्होंने सीखा कि -40 ष्ट पर बर्फ कैसे बनती है और -18 ष्ट पर बर्फ कैसे जमा होती है।छात्र-छात्राओं ने बताया कि आनंद में अमूल फैक्ट्री की उनकी यात्रा वास्तव में ज्ञानवर्धक रही। उन्होंने डेयरी और चॉकलेट उत्पादन प्रक्रियाओं की गहरी समझ हासिल की और गुणवत्ता और स्वच्छता के प्रति अमूल की प्रतिबद्धता से प्रभावित हुए। इस यात्रा ने ग्रामीण विकास में सहकारी समितियों के महत्व और क्षेत्र के लाखों किसानों के जीवन को बदलने में अमूल की सफलता पर प्रकाश डाला।

इस तरह की जानकारी छात्रों को मिली जो कि उनके कैरियर के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित होंगी

डॉ सी एल मौर्य ने अमूल टीम को उनके गर्मजोशी भरे आतिथ्य और साथ अपना ज्ञान और विशेषज्ञता साझा करने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस औद्योगिक यात्रा ने निस्संदेह छात्र-छात्राओं की समझ को व्यापक बनाया है। डॉ सी एल मौर्य अधिष्ठाता कृषि संकाय ने डॉक्टर अंशु सिंह, डॉक्टर नीतू एवं डॉक्टर सौरव द्वारा छात्र-छात्राओं के ज्ञानवर्धक एवं केरियर विकास हेतु किए गए प्रयासों की सराहना की।

अंक-46 कानपुर, रविवार 14 अप्रैल 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, खटा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

औद्योगिक भ्रमण में छात्रों ने समझा दूध से बनने वाले विभिन्न उत्पादों की प्रक्रिया

कानपुर। कृषि व्यवसाय प्रबंधन के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाने के लिए चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के 40 छात्रों ने शनिवार को औद्योगिक भ्रमण किया। छात्रों ने दूध प्रसंस्करण और अत्याधुनिक पैकेजिंग के लिए मशीनीकृत प्रणालियों को देखा और स्वच्छता एवं गुणवत्ता को समझा। यह जानकारी शनिवार को विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सी. एल मौर्य ने दी।

उन्होंने बताया कि औद्योगिक भ्रमण पर निकले छात्रों ने कानपुर देहात में स्थित अमूल डेयरी प्लांट माती में छात्रों ने औद्योगिक भ्रमण से अमूल के उत्पादों की विभिन्न श्रृंखलाओं जैसे दूध संग्रह, पाश्चुरीकरण और पैकेजिंग की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली।

छात्रों ने कहा कि किसानों से किस प्रकार से दूध एकत्र कर दुनिया की सबसे बड़ी दूध सहकारी समिति अमूल बनी। दूध प्रसंस्करण और अत्याधुनिक पैकेजिंग के लिए मशीनीकृत प्रणालियां जो स्वच्छता और गुणवत्ता सुनिश्चित करती है। छात्रों ने यह भी जाना कि अमूल अपनी मशीनरी के साथ दूध पाउडर कैसे बनाता है। इसके अलावा बटर मिल्क और उनके पैकेजों का उत्पादन कैसे तैयार करता है व सप्लाई चैन, मार्केटिंग, ब्रांडिंग, प्रमोशन के बारे में जानकारी प्राप्त की। छात्र-छात्राओं को पनीर बनाने में शामिल प्रक्रियाओं का निरीक्षण करने का अवसर मिला, और साथ ही, आइसक्रीम फैक्ट्री का दौरा किया जहां उन्होंने सीखा कि -40 ष्ट पर बर्फ कैसे बनती है और -18 ष्ट पर बर्फ कैसे जमा होती है।

छात्र-छात्राओं ने बताया कि आनंद में अमूल फैक्ट्री की उनकी यात्रा वास्तव में ज्ञानवर्धक रही। उन्होंने डेयरी और चॉकलेट उत्पादन प्रक्रियाओं की गहरी समझ हासिल की और गुणवत्ता और स्वच्छता के प्रति अमूल की प्रतिबद्धता से प्रभावित हुए।

SKS NEWS

Online Edition | www.samajkasathinews.com

हिन्दी दैनिक

समाज का साथी

कानपुर, रविवार 14 अप्रैल-2024

वर्ष: 9 अंक: 279

मूल्य : 2.00 रु. पृष्ठ -8

कानपुर नगर से प्रकाशित

चालीस छात्रों की टीम एक साथ औद्योगिक भ्रमण करने हेतु रवाना

समाज का साथी

कानपुर । कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि व्यवसाय प्रबंधन विभाग के 40 छात्रों का दल औद्योगिक भ्रमण करने हेतु अमूल डेयरी प्लांट माती कानपुर देहात के लिए विभाग के विभागध्यक्ष डा0 सी. एल. मौर्य ने झंडी दिखाकर रवाना किया ।

कार्यक्रम के दौरान विभाग के समन्वयक डा. अंशू सिंह, डा. नीतू, डा. सौरभ सोनकर उपस्तिथि रहे।डा. अंशू ने बताया कि कृषि व्यवसाय प्रबंधन के छात्रों ने औद्योगिक भ्रमण से अमूल के उत्पादों की विभिन्न श्रृंखलाओं जैसे दूध संग्रह, पाश्चुरीकरण और पैकेजिंग की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। छात्रों ने यह जानकारी हासिल की कि अमूल क्षेत्र के किसानों से किस प्रकार से दूध एकत्र कर दुनिया की सबसे बड़ी दूध सहकारी समिति बना। दूध प्रसंस्करण और अत्याधुनिक पैकेजिंग के लिए मशीनीकृत प्रणालियाँ जो स्वच्छता और गुणवत्ता सुनिश्चित करती है ।

छात्रों ने यह भी जाना कि अमूल अपनी मशीनरी के साथ दूध पाउडर कैसे बनाता है और इसके अलावा बटर मिल्क और उनके पैकेजों का उत्पादन कैसे करता है व सप्लाई चैन, मार्केटिंग, ब्रांडिंग, प्रमोशन के बारे में जानकारी प्राप्त की।छात्र-छात्राओं को पनीर बनाने में शामिल प्रक्रियाओं का निरीक्षण करने का अवसर मिला, और साथ ही,

आइसक्रीम फैक्ट्री का दौरा किया जहां उन्होंने सीखा कि -40 ष्ट पर बर्फ कैसे बनती है और -18 ष्ट पर बर्फ कैसे जमा होती है।छात्र-छात्राओं ने बताया कि आनंद में अमूल फैक्ट्री की उनकी यात्रा वास्तव में ज्ञानवर्धक रही।

उन्होंने डेयरी और चॉकलेट उत्पादन प्रक्रियाओं की गहरी समझ हासिल की और गुणवत्ता और स्वच्छता के प्रति अमूल की प्रतिबद्धता से प्रभावित हुए। इस यात्रा ने ग्रामीण विकास में सहकारी समितियों के महत्व और क्षेत्र के लाखों किसानों के जीवन को बदलने में अमूल की सफलता पर प्रकाश डाला। डॉ सी एल मौर्य ने अमूल टीम को उनके गर्मजोशी भरे आतिथ्य और साथ अपना ज्ञान और विशेषज्ञता साझा करने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस औद्योगिक यात्रा ने निस्संदेह छात्र-छात्राओं की समझ को व्यापक बनाया है। डॉ सी एल मौर्य अधिष्ठाता कृषि संकाय ने डॉक्टर अंशु सिंह, डॉक्टर नीतू एवं डॉक्टर सौरव द्वारा छात्र-छात्राओं के ज्ञानवर्धक एवं केरियर विकास हेतु किए गए प्रयासों की सराहना की।

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

लखनऊ | वर्षः 15 | अंकः 180 | मूल्यः ₹ 3.00/- | पेज : 12 | रविवार | 14 अप्रैल, 2024

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

दुर्गा अपने छठवें स्वरूप में कात्यायनी के नाम से जानी जाती है।

कृषि व्यवसाय प्रबंधन विभाग के 40 छात्रों का दल निकला औद्योगिक भ्रमण पर

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्व विद्यालय के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में शनिवार को कृषि व्यवसाय प्रबंधन विभाग के 40 छात्रों का दल औद्योगिक भ्रमण करने के लिये अमूल डेयरी प्लांट माती कानपुर देहात के लिए विभाग के विभागध्यक्ष डॉ.सी. एल. मौर्य ने विभाग के समन्वयक डॉ.अंशू सिंह, डॉ.नीतू, डॉ.सौरभ सोनकर की उपस्थिति में झंडी दिखाकर रवाना किया । इस अवसर पर डॉ. अंशू ने बताया कि कृषि व्यवसाय प्रबंधन के छात्रों ने औद्योगिक भ्रमण से अमूल के उत्पादों की विभिन्न श्रृंखलाओं जैसे दूध संग्रह, पाश्चुरीकरण और पैकेजिंग की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। छात्रों ने अमूल किस प्रकार क्षेत्र के किसानों से दूध एकत्र कर दुनिया की सबसे बड़ी दूध सहकारी समिति बना संबंधी जानकारी हासिल की। छात्रों ने यह भी जाना कि अमूल अपनी मशीनरी के साथ दूध पाउडर कैसे बनाता है और इसके अलावा बटर मिल्क और उनके पैकेजों का उत्पादन करना, सप्लाई चैन, मार्केटिंग, ब्रांडिंग, प्रमोशन के बारे में जानकारी प्राप्त की। छात्र-छात्राओं को पनीर बनाने में शामिल प्रक्रियाओं का निरीक्षण करने का अवसर मिला और साथ ही आइसक्रीम फैक्ट्री का दौरा किया जहां उन्होंने सीखा कि-40 ष्ट पर बर्फ कैसे बनती है और-18C पर बर्फ कैसे जमा होती है। छात्र-छात्राओं ने बताया कि आनंद में अमूल फैक्ट्री की उनकी यात्रा वास्तव में ज्ञानवर्धक रही। उन्होंने डेयरी और चॉकलेट उत्पादन प्रक्रियाओं की गहरी समझ हासिल की और गुणवत्ता और स्वच्छता के प्रति अमूल की प्रतिबद्धता से प्रभावित हुए। इस यात्रा ने ग्रामीण विकास में सहकारी समितियों के महत्व और क्षेत्र के लाखों किसानों के जीवन को बदलने में अमूल की सफलता के बारे में बताया। इस अवसर पर डॉ.सी एल मौर्य अधिष्ठाता कृषि संकाय ने डॉ.अंशु सिंह, डॉ.नीतू एवं डॉ.सौरव द्वारा छात्र-छात्राओं के ज्ञानवर्धक एवं केरियर विकास के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की।

rni no uphin47232

उपदेश टाइम्स

कानपुर से प्रकाशित एवं कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, गोण्डा, जौनपुर, फिरोजाबाद, जालौन उरई, कन्नौज, फरूखाबाद, एटा मे प्रसारित

कानपुर, रविवार 14 अप्रैल 2024 पृष्ठ : 8

40 परास्नातक छात्रों के दल ने अमूल डेयरी का किया भ्रमण

उपदेश टाइम्स कानपुर

कानपुर नगर, चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्व विद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि व्यवसाय प्रबंधन विभाग के 40 छात्रों का दल औद्योगिक भ्रमण करने हेतु अमूल डेयरी प्लांट माती कानपुर देहात के लिए विभाग के विभागध्यक्ष डा0 सी. एल. मौर्य ने झंडी दिखाकर रवाना किया । कार्यक्रम के दौरान विभाग के समन्वयक डा. अंशू सिंह,डा. नीतू, डा. सौरभ सोनकर उपस्थित रहे।डा. अंशू ने बताया कि कृषि व्यवसाय प्रबंधन के छात्रों ने औद्योगिक भ्रमण से अमूल के उत्पादों की विभिन्न श्रृंखलाओं जैसे दूध संग्रह, पाश्चुरीकरण और पैकेजिंग की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। छात्रों ने यह जानकारी हासिल की कि अमूल क्षेत्र के किसानों से किस प्रकार से दूध एकत्र कर दुनिया की सबसे बड़ी दूध सहकारी समिति बना। दूध प्रसंस्करण और अत्याधुनिक पैकेजिंग के लिए मशीनीकृत

प्रणालियाँ जो स्वच्छता और गुणवत्ता सुनिश्चित करती है । छात्रों ने यह भी जाना कि अमूल अपनी मशीनरी के साथ दूध पाउडर कैसे बनाता है और इसके अलावा बटर मिल्क और उनके पैकेजों का उत्पादन कैसे करता है व सप्लाई चैन, मार्केटिंग, ब्रांडिंग, प्रमोशन के बारे में जानकारी प्राप्त की। छात्र-छात्राओं को पनीर बनाने में शामिल प्रक्रियाओं का निरीक्षण करने का अवसर मिला, और साथ ही, आइसक्रीम फैक्ट्री का दौरा किया जहां उन्होंने सीखा कि -40 ष्ट पर बर्फ कैसे बनती है और -18 ष्ट पर बर्फ कैसे जमा होती है।छात्र-छात्राओं ने बताया कि आनंद में अमूल फैक्ट्री की उनकी यात्रा वास्तव में ज्ञानवर्धक रही। उन्होंने डेयरी और चॉकलेट उत्पादन प्रक्रियाओं की गहरी समझ हासिल की और गुणवत्ता और स्वच्छता के प्रति अमूल की प्रतिबद्धता से प्रभावित हुए। इस यात्रा ने ग्रामीण विकास में सहकारी समितियों के महत्व और क्षेत्र के लाखों किसानों के जीवन को बदलने में अमूल की सफलता पर प्रकाश डाला। डॉ सी एल मौर्य ने अमूल टीम को उनके गर्मजोशी भरे आतिथ्य और साथ अपना ज्ञान और विशेषज्ञता साझा करने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस औद्योगिक यात्रा ने निस्संदेह छात्र-छात्राओं की समझ को व्यापक बनाया है। डॉ सी एल मौर्य अधिष्ठाता कृषि संकाय ने डॉक्टर अंशु सिंह, डॉक्टर नीतू एवं डॉक्टर सौरव द्वारा छात्र-छात्राओं के ज्ञानवर्धक एवं केरियर विकास हेतु किए गए प्रयासों की सराहना की।

करोड़ होने का शासनादेश जारी

निरंतर मांग हो रही थी प्रदेश सरकार ने बजट सत्र में कल्याण निधि बढ़ाकर 500 करोड़ करने की घोषणा की थी जिसका हम सब ने स्वागत किया था। विनोद सिंह रावत प्रमुख सचिव न्याय एवं विधि परामर्शी द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार वर्ष 2012ट्ट 2013 से 2016ट्ट2017 तक 40 करोड़ प्रति वर्ष के हिसाब से 5 वर्ष का अनुदान दिया जा चुका है 2017-18 से 2023 ट्ट2024 तक 20 करोड़ प्रतिवर्ष को संभावित करते हुए अब100 करोड़ की सीमा तक सरकार शासकीय अनुदान तब तक देगी जब तक 500 करोड़ न हो जाए। शासनादेश के अनुसार अनुदान राशि राष्ट्रीय बैंकों के बचत खातों के स्थान पर एस डी एल में जमा की जाएगी जिसपर 8 ब्र तक ब्याज मिलता रहे। अनुदान राशि का भुगतान नियमानुसार दिवंगत अधिवक्ताओं के आश्रितों को होगा। शाशनादेश हो जाने से न्यासी समिति को अब धन की कमी नहीं होगी और दिवंगत अधिवक्ताओं के आश्रितों को अनुदान राशि रु 5 लाख का शीघ्र वितरण होगा जिससे उन्हें आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा। ये अधिवक्ताओं की बड़ी जीत है।

दैनिक जागरण आई नेक्स्ट 14/04/2024

एबीएम के 40 स्टूडेंट्स ने की इंडस्ट्रीयल विजिट

kanpur@inext.co.in

KANPUR (13 April): सीएसए के एग्री बिजनेस मैनेजमेंट डिपार्टमेंट के 40 स्टूडेंट्स ने सैटरडे को इंडस्ट्रियल विजिट में माती स्थित डेयरी प्लांट को देखा. विजिट में दूध संग्रह, पाश्चुरीकरण और पैकेजिंग की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली. जाना कि किसानों से किस प्रकार से दूध को एकत्र करके उसे संरक्षित किया जाता है. इसके अलावा सप्लाई चैन, मार्केटिंग, ब्रांडिंग, प्रमोशन के बारे में जानकारी प्राप्त की. दूध से प्रोडक्ट बनाने वाली यूनिट्स को भी देखा. इस मौके पर डॉक्टर अंशु सिंह, डॉक्टर नीतू और डॉक्टर सौरभ आदि रहे.

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य
(हिन्दी दैनिक प्रातःकालीन) कानपुर, रविवार 14 अप्रैल 2024 (R.N.I.No. UPHIN/2010/47220

कृषि व्यवसाय प्रबंधन के 40 परास्नातक छात्रों के दल ने अमूल डेयरी का किया भ्रमण

कानपुर, 13 अप्रैल (यू0एन0टी0)। ***अनवर अशरफ*** चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्व विद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि व्यवसाय प्रबंधन विभाग के 40 छात्रों का दल औद्योगिक भ्रमण करने हेतु अमूल डेयरी प्लांट माती कानपुर देहात के लिए विभाग के विभागध्यक्ष डा० सी. एल. मौर्य ने झंडी दिखाकर रवाना किया कार्यक्रम के दौरान विभाग के समन्वयक डा. अंशू सिंह, डा. नीतू, डा. सौरभ सोनकर उपस्तिथि रहे। डा. अंशू ने बताया कि कृषि व्यवसाय प्रबंधन के छात्रों ने औद्योगिक भ्रमण से अमूल के उत्पादों की विभिन्न श्रृंखलाओं जैसे दूध संग्रह, पाश्चुरीकरण और पैकेजिंग की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। छात्रों ने यह जानकारी हासिल की कि अमूल क्षेत्र के किसानों से किस प्रकार से दूध एकत्र कर दुनिया की सबसे बड़ी दूध सहकारी समिति बना। दूध प्रसंस्करण और अत्याधुनिक पैकेजिंग के लिए मशीनीकृत प्रणालियाँ जो स्वच्छता और गुणवत्ता सुनिश्चित करती है। छात्रों ने यह भी जाना कि अमूल अपनी मशीनरी के साथ दूध पाउडर कैसे बनाता है और इसके अलावा बटर मिल्क और उनके पैकेजों का उत्पादन कैसे करता है व सप्लाई चैन, मार्केटिंग, ब्रांडिंग, प्रमोशन के बारे में जानकारी प्राप्त की। छात्र–छात्राओं को पनीर बनाने में शामिल प्रक्रियाओं का निरीक्षण करने का अवसर मिला, और साथ ही, आइसक्रीम फैक्ट्री का दौरा किया जहां उन्होंने सीखा कि –40C पर बर्फ कैसे बनती है और –18C पर बर्फ कैसे जमा होती है। छात्र–छात्राओं ने बताया कि आनंद में अमूल फैक्ट्री की उनकी यात्रा वास्तव में ज्ञानवर्धक रही। उन्होंने डेयरी और चॉकलेट उत्पादन प्रक्रियाओं की गहरी समझ हासिल की और गुणवत्ता और स्वच्छता के प्रति अमूल की प्रतिबद्धता से प्रभावित हुए। इस यात्रा ने ग्रामीण विकास में सहकारी समितियों के महत्व और क्षेत्र के लाखों किसानों के जीवन को बदलने में अमूल की सफलता पर प्रकाश डाला। इस तरह की जानकारी छात्रों को मिली जो कि उनके कैरियर के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित होंगी। डॉ सी एल मौर्य ने अमूल टीम को उनके गर्मजोशी भरे आतिथ्य और साथ अपना ज्ञान और विशेषज्ञता साझा करने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस औद्योगिक यात्रा ने निस्संदेह छात्र–छात्राओं की समझ को व्यापक बनाया है। डॉ सी एल मौर्य अधिष्ठाता कृषि संकाय ने डॉक्टर अंशु सिंह, डॉक्टर नीतू एवं डॉक्टर सौरव द्वारा छात्र–छात्राओं के ज्ञानवर्धक एवं केरियर विकास हेतु किए गए प्रयासों की सराहना की।

कृषि छात्रों ने देखा दूध संग्रह, पाश्चुरीकरण और पैकेजिंग की पूरी प्रक्रिया

कानपुर, 13 अप्रैल। चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्व विद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि व्यवसाय प्रबंधन विभाग के 40 छात्रों का दल औद्योगिक भ्रमण करने हेतु अमूल डेयरी प्लांट माती कानपुर देहात के लिए विभाग के विभागध्यक्ष डा0 सी. एल. मौर्य ने झंडी दिखाकर रवाना किया । कार्यक्रम के दौरान विभाग के समन्वयक डा. अंशू सिंह, डा. नीतू, डा. सौरभ सोनकर उपस्तिथि रहे। डा. अंशू ने बताया कि कृषि व्यवसाय प्रबंधन के छात्रों ने औद्योगिक भ्रमण से अमूल के उत्पादों की विभिन्न श्रृंखलाओं जैसे दूध संग्रह, पाश्चुरीकरण और पैकेजिंग की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। छात्रों ने यह जानकारी हासिल की कि अमूल क्षेत्र के किसानों से किस प्रकार से दूध एकत्र कर दुनिया की सबसे बड़ी दूध सहकारी समिति बना। दूध प्रसंस्करण और अत्याधुनिक पैकेजिंग के लिए मशीनीकृत प्रणालियाँ जो स्वज्छता और गुणवत्ता सुनिश्चित करती है । छात्रों ने यह भी जाना कि अमूल अपनी मशीनरी के साथ

छात्रों के दल को हरी झण्डी दिखाकर रवाना करते शिक्षक।

दूध पाउडर कैसे बनाता है और इसके अलावा बटर मिल्क और उनके पैकेजों का उत्पादन कैसे करता है व सप्लाई चैन, मार्केटिंग, ब्रांडिंग, प्रमोशन के बारे में जानकारी प्राप्त की। छात्र-छात्राओं को पनीर बनाने में शामिल प्रक्रियाओं का निरीक्षण करने का अवसर मिला, और साथ ही, आइसक्रीम फैक्ट्री का दौरा किया जहां उन्होंने सीखा कि -40 ष्ट पर बर्फ कैसे बनती है और -18 ष्ट पर बर्फ कैसे जमा होती है।छात्र-छात्राओं ने बताया कि आनंद में अमूल फैक्ट्री की उनकी यात्रा वास्तव में ज्ञानवर्धक रही। उन्होंने डेयरी और चॉकलेट उत्पादन प्रक्रियाओं की गहरी समझ हासिल की और गुणवत्ता और स्वज्छता के प्रति अमूल की प्रतिबद्धता से प्रभावित हुए। इस यात्रा ने ग्रामीण विकास में सहकारी समितियों के महत्व और क्षेत्र के लाखों किसानों के जीवन को बदलने में अमूल की सफलता पर प्रकाश डाला।

इस तरह की जानकारी छात्रों को मिली जो कि उनके कैरियर के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित होंगी।